राजस्थान सरकार
शिक्षा–विभाग
निदेशालय कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर

क्रमांक प. 9(कलेण्डर)एनएसएस/अकाद/निकाशि/2007/277 दिनांक 22-5-13

समस्त प्राचार्य,
राजकीय/अराजकीय महाविद्यालय,
राजस्थान (एन.एस.एस. से संबंधित)

विषय :– सत्र 2013–14 के लिए एन.एस.एस. की गतिविधियों का कलेण्डर
संदर्भः– निदेशालय का परिपत्र क्रमांकः एफ 7(4)अकाद/निकाशि/13/152
दिनांक 29 अप्रेल 2013

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि सत्र 2013–14 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना गतिविधियों का कलैण्डर संलग्न कर भेजा जा रहा है। इसकी अनुपालना सुनिश्चित की जावे। स्वयं सेवकों के माध्यम से सामाजिक सरोकार की गतिविधियों को किया जाए।

भारत सरकार के नेशनल ई–गवर्नेन्स प्लान को राज्य सरकार द्वारा राज्य में ई–गवर्नेन्स योजना को प्रभावशाली तरीके से लागू किया जा रहा है। युवा मामले एवं खेल विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा एन.एस.एस. की वेबसाईट (www.nss.nic.in) तैयार की गई है, जिसे आपको भेजे गये पासवर्ड एवं लोगिंग नम्बर से अपनी महाविद्यालय की एन.एस.एस. संबंधित सूचनाओं का प्रपत्र भरना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही प्राचार्यगण यह सूनिश्चित करे कि सूचनाओं को नियत एवं निश्चित अवधि में आदान–प्रदान करने के लिए समस्त एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों को सूचनाएं ई–मेल द्वारा भी प्रेषित करना अनिवार्य होगा। सूचनाओं के आदान–प्रदान हेतु ई–मेल निम्नानुसार हैः–

राज्य समन्वयक, एनएसएस– **nss.cce@rajasthan. gov.in**
सहायक कार्यक्रम सलाहकार,एनएसएस– **ashokkewalia@gmail.com.**

गौरतलब है कि उपरोक्त संदर्भित परिपत्र में सभी विद्यार्थी संबंधी गतिविधियां एक प्रकोष्ठ "युवा कौशल विकास" के अन्तर्गत संपादित होनी हैं। आप कार्यक्रम अधिकारी/अधिकारियों को नोट करावें।

भवदीय
(नवीन जैन)
निदेशक

क्रमांक प. 9(बैठक)एनएसएस/अकाद/निकाशि/2007/277 दिनांक 22-5-13

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :–

1. निजी सचिव, माननीय शिक्षा मंत्री महोदय, राजस्थान सरकार, जयपुर
2. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव महोदय, उच्च शिक्षा, शासन सचिवालय, जयपुर
3. निजी सचिव, निदेशक, कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर
4. निजी सचिव, कार्यक्रम सलाहकार, एनएसएस यु.मा. एवं खे. मं.,भारत सरकार, नईदल्ली
5. राज्य सम्पर्क अधिकारी, शिक्षा (ग्रुप–4 अ) विभाग शासन सचिवालय, जयपुर
6. उप कार्यक्रम सलाहकार, एनएसएस, प्रादेशिक केन्द्र, जयपुर
7. समन्वयक, टीओसी, एनएसएस, राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर
8. समन्वयक + 2 स्तर एनएसएस, माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर।
9. वेबसाईट इन्चार्ज,–संलग्न एनएसएस कलेण्डर को अपलोड करें।

समन्वयक
कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर

निदेशालय, कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर
शैक्षणिक सत्र 2013–14 के लिए एन.एस.एस. गतिविधियों का कलैण्डर

जुलाई– 10 घंटे कार्य

1. त्रैमासिक प्रतिवेदन आगामी वर्ष 2013–14 की (माहवार योजना) तैयार कर माह (अप्रेल से जून तक की गतिविधियों का प्रतिवेदन भेजना) 15 जुलाई तक भेज दें।
2. राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्वेश्य एवं लक्ष्यों की जानकारी छात्रों की सामान्य सभा कर नये छात्रों को योजना के उद्वेश्यों एवं लक्ष्यों की जानकारी देकर छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीयन हेतु प्रोत्साहित करना। इसके लिए नोटिस बोर्ड पर सूचना लगायें।
3. स्वयं सेवकों का पंजीयन कार्यक्रम (मेहनती एवं सेवा भावी छात्र–छात्रों का ही चयन) जुलाई, 2012 तक चयन प्रक्रिया पूर्ण कर सूचित करें । प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त से पहले नामांकन की पूर्ण सूचना कार्यक्रम समन्वयक एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, शिक्षा (ग्रुप–4 अ) विभाग, शासन सचिवालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रादेशिक केन्द्र, जयपुर को आवश्यक रूप से भेज दें।
4. <u>हरित राजस्थान सप्ताह (मानसून के समय)</u> 1 जुलाई से 7 जुलाई तक
   परिसर एवं गोद लिये हुये क्षेत्रों में वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम वरिष्ठ स्वयं सेवकों एवं सामान्य छात्रों को जोड़ते हुए वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं प्रबंधन कार्यक्रम हाथ में लेना। इसके लिये जिला कलेक्टर, वन विभाग एवं कृषि विभाग आदि से सम्पर्क कर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा सकते हैं। **<u>एक छात्र एक पौधा</u>** के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पौधारोपण का कार्य किया जाना चाहिए। 30 जुलाई, 2012 तक कुल लगाये गये पौधों की सूचना प्रस्तुत करें। वृक्ष–संवर्द्वन के लिए छात्र/छात्रा की नाम पटिका लगायें। बरसात में छत का पानी जमीन में जावे, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करें।
5. गोद गांव/बस्ती में जल संग्रहण एवं संवर्द्वन योजनाओ पर कार्य तथा जल स्त्रोतों की साफ सफाई।
6. जनसंख्या नियंत्रण हेतु रैलियां, जन जागरण अभियान, विचार गोष्ठी, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से जनसंख्या शिक्षण एवं जनसंख्या नियंत्रण कैसे हो, पर जागरण अभियान चलाया जावे। <u>राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा प्रतिज्ञा की जावे।</u>
7. देश में साक्षरता के महत्व, साक्षरता के अभियान में युवाओं की भूमिका आदि पर रैलियां, व्याख्यानमालाएं आयोजित कर सप्ताह मनाना। **<u>एक छात्र एक को साक्षर करें।</u>**
8. सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत गोद ली गई बस्ती/गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से 10–15 बच्चों का शाला में प्रवेश एवं पुनः प्रवेश (ड्राफ्ट आउट)सुनिश्चित करें तथा ठहराव का भी ध्यान रखें।
9. महाविद्यालय में प्रथम <u>एक दिन का कैम्प</u> लगाकर <u>स्वच्छ एवं हरा भरा परिसर</u> अभियान चलाया जाना चाहिए। इसमें अन्य छात्र/छात्राओं को भी सम्मिलित करें।
10. एनएसएस के द्वारा कैरियर कासंलिग ब्यूरो प्रारम्भ किया जावे तथा छात्र/छात्राओं को काम का अधिकार (महानरेगा),रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जावे।
11. स्वतन्त्रता सेनानियों के साथ बुजुर्गों का सम्मान किया जाना है, शुद्ध के लिए युद्ध, महिला साक्षरता, राशन वितरण प्रणाली, निशुल्क चिकित्सा व्यवस्था एवं सबको पढाओ, बिजली बचाओ, पानी बचाओं, वृक्ष बचाओ जैसे कार्यों के प्रति जनता में जागरूकता विकसित की जानी है।
12. **31 जुलाई तक युवा कौशल प्रकोष्ठ के अधीन आगामी वर्ष की माहवार योजना तैयार कर भिजवाये।**

अगस्त 20 घंटे कार्य

1. 15 अगस्त स्वाधीनता दिवस पर स्वतंत्रता आंदोलन में स्वतंत्रता सैनानियों की भूमिका की जानकारी, उनका सम्मान एवं इस दिवस का महत्व बताना तथा कार्यक्रम आयोजित करना।
2. 20 अगस्त सद्भावना दिवस पर विचार गोष्ठी, रैलियों का आयोजन कर शिक्षा अधिकार दिवस मनावें।
3. कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा अगस्त माह में पंजीयन कार्य पूर्ण कर प्रवेशित स्वयं सेवकों की सूचियों जिसमें **स्वयंसेवक का नाम, ब्लड ग्रुप, मोबाईल नम्बर** एवं प्रपत्र 1 एवं प्रपत्र 2 की पूर्ति कर कार्यक्रम समन्वयक, निदेशालय, कॉलेज शिक्षा, जयपुर, राज्य सम्पर्क अधिकारी, शिक्षा (ग्रुप–4अ) विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर एवं सहायक कार्यक्रम सलाहकार, एनएसएस प्रादेशिक केन्द्र को आवश्यक रूप से प्रेषित कर दें।
4. महाविद्यालय स्तर पर सलाहकार समिति का गठन आवश्यक रूप से करें। समिति के प्राचार्य अध्यक्ष होंगे तथा वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी सदस्य सचिव होंगे। सदस्यों के रूप में वरिष्ठ संकाय

सदस्य/ स्थानीय विकास एजेन्सीज के प्रतिनिधियों/ पूर्व स्वयं सेवकों/ एनजीओ के प्रतिनिधि तथा स्थानीय प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों को समिति में लिया जाना चाहिए।

5. सलाहकार समिति की प्रथम बैठक इसी माह में कर महाविद्यालयों के लिए एनएसएस कलैण्डर के अनुसार नियमित गतिविधियों, विशेष शिविर गतिविधियों तथा अन्य सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के लिए वार्षिक योजना स्थानीय परिपेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार करें। समिति की कार्यवाही का रिकार्ड भी तैयार करें।

6. **अभिविन्यास कार्यक्रम–** राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीकृत होने वाले छात्रों को अभिप्रेरणा के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किये जावे।

राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीकृत नये छात्रों के लिए **तीन दिवसीय अभिविन्यास** कार्यक्रम रखा जावे, जिसमें निम्नलिखित विषयों की जानकारी दी जावे:–

1. राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्धेश्य एवं गतिविधियां
2. ग्रामीण विकास की केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी एवं सम्प्रेषण हेतु स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण
3. साक्षरता एवं युवाओं की भूमिका
4. जनसंख्या शिक्षा एवं परिवार कल्याण
5. वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण
6. नशा मुक्ति एवं पोलिथीन मुक्त महाविद्यालय परिसर
7. स्वास्थ्य शिक्षा
8. सामाजिक सेवा कार्यक्रम
9. एड्स एवं कन्या भ्रूण हत्या पर नियंत्रण
10. महिला एवं शिशु विकास– मां राजस्थान जननी शिशु सुरक्षा योजना
11. राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन की जानकारी
12. जल प्रबन्धन एवं संवर्द्धन
13. स्वच्छता के लिए युवा– निर्मल ग्राम योजना की जानकारी
14. सद्भावना एवं भाईचारा
15. राष्ट्रीय पुननिर्माण में युवाओं की भूमिका
16. उपभोक्ता जागरूकता एवं सूचना का अधिकार
17. काम का अधिकार (महानरेगा) में युवाओं की भूमिका
18. शिक्षा का अधिकार एवं युवा की भूमिका
19. हरित राजस्थान व युवा की भूमिका
20. ग्राम्य स्वराज (पंचायती राज व्यवस्था)

इन विषयों की जानकारी देने के लिए विषय विशेषज्ञों को भी बुलाया जाना चाहिए।

7. वृक्षारोपण का काम मानसून के अनुसार बड़े पैमाने पर किया जाना चाहिए।

8. राष्ट्रीय आपदा प्रबन्ध– इकाईयों का राष्ट्रीय आपदा के समय सहयोग देने एवं सार्थक भूमिका निभाने के लिये तैयार रहना चाहिए। इसके लिये विशेषज्ञ व्यक्ति/ एजेन्सियों के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा सकते हैं। अकाल, महामारी, बाढ, भूकम्प, बम ब्लास्ट आदि की स्थिति में स्वयं सेवकों को इनसे निपटने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिये। जिलाधीश कार्यालय को एन.एस.एस. स्वयंसेवकों की सूचि मय दूरभाष नम्बर व पते के साथ सूचित करें जो कि राष्ट्रीय आपदा पबन्ध के लिए तैयार हैं।

9. गांवों एवं बस्तियों को गोद लेना एवं निर्धारित प्रोफार्मा पर इसकी सूचना कार्यक्रम समन्वयक, राज्य सम्पर्क अधिकारी, सहायक कार्यक्रम सलाहकार, एनएसएस प्रादेशिक केन्द्र को **प्रपत्र अ एवं ब** में भेजना।

10. पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निरन्तर कार्य करें तथा गोद लिये गांव/बस्ती को निर्धारित समय में पूर्ण साक्षर करें।

11. महाविद्यालय इकाईयों द्वारा स्वास्थ्य सेवा/ अस्पताल सेवा को अपनाकर निम्न कार्य करने चाहिए:–
    1. समन्वित बाल विकास कार्यक्रम
    2. स्वास्थ्य शिक्षा
    3. स्वस्थ्य शिशु एवं स्वस्थ्य मातृ शिक्षा– परिवारों से सम्पर्क
    4. कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्व जागरूकता
    5. एड्स नियंत्रण एवं जागृति कार्यक्रम
    6. मलेरिया आदि मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु जागृति कार्यक्रम
    7. बालिका शिक्षा जन जागरण अभियान – विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करना।
    8. बाल विवाह प्रथा की रोकथाम
    9. जैण्डर एवेयरनैस पर कार्यक्रम
    10. नशामुक्ति, तम्बाकू एवं गुटका निषेध हेतु कार्यक्रम आयोजित करना।

12. राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर एवं उनके अनुकूल प्रशिक्षण दिलाने संबंधी जानकारी दी जावे।

13. **लड़कियों एवं महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अत्याचार के रोकथाम हेतु आत्म रक्षा संबंधी कोर्स का प्रशिक्षण स्थानीय विभागों के सहयोग से आयोजित किया जावें।**

सितम्बर 20 घंटे कार्य

1. जुलाई से सितम्बर का त्रैमासिक प्रतिवेदन कार्यक्रम समन्वयक एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी को भेजना– 7 अक्टूबर तक
2. जुलाई एवं अगस्त के कार्यक्रमों के अलावा कुछ नये कार्यक्रम हाथ में लिये जा सकते हैं।
3. 8 सितम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाना।
4. 15 सितम्बर अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस के रूप में मनाना, इस दिन विचार गोष्ठी व्याख्यान आदि कार्यक्रम आयोजित करना।
5. 24 सितम्बर को एनएसएस दिवस के रूप में मनाना। इस दिन रैली विचार गोष्ठी सेवा कार्य आदि आयोजित करना। इस दिवस को बड़े पैमाने पर मनाया जावे।
6. उपलब्धियों के अपेक्षित स्तर का त्रैमासिक प्रतिवेदन अवश्य भेजना।
7 जिला विकास एजेंसीज के साथ समन्वय करके दूसरा **एक दिवसीय कैम्प गोद गांव/बस्ती** में लगाना जिसमें सरकार द्वारा संचालित विकास योजनाओं की जानकारी दी जावे।
8. भ्रष्टाचार के विरूद्ध नवजागरण अभियान, स्वयं सहायता समूह के प्रति जनता जागरूकता विकसित की जानी है।
9. **सड़क सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन करना। स्वयंसेवकों में से ट्रेफिक वार्डन की नियुक्ति एवं ट्रेफिक क्लब का गठन किया जावें तथा ट्रेफिक पार्क का भ्रमण भी कराया जावें।**

अक्टूबर– 20 घंटे कार्य

1. छमाही प्रतिवेदन तैयार कर कार्यक्रम समन्वयक एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी को भेजना (अप्रेल से सितम्बर तक)
2. 1 अक्टूबर को राष्ट्रीय रक्तदान दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित कर रक्तदान करना। इसके लिए रेडक्रास एवं स्थानीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की सहायता ली जा सकती है। जहां ब्लड बैंक नहीं हो वहां रक्तदान करने वाले स्वयं सेवकों की सूची मय पते एवं दूरभाष नम्बर के बनाकर एक सूची चिकित्सा अधिकारी को देना एवं एक सूची महाविद्यालय प्राचार्य को देना। **रक्तदान का प्रमाण पत्र प्राप्त करें** एवं रक्तदान प्रमाण पत्र की फोटोप्रति प्रादेशिक केन्द्र व राज्य सम्पर्क अधिकारी को भिजवायें।
3. 2 अक्टूबर (महात्मा गांधी जयंती) को अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाना। इस दिन शहर, कस्बे या गांवों में प्रभात फेरी रैलियां निकालकर सद्भावना के संदेश को जन–जन तक पहुंचाना चाहिए तथा गांव/बस्ती में सहभोज का आयोजन किया जावे।
4. गोद लिये गांव/बस्ती में सर्वे कार्य एवं विशेष शिविर आयोजित करने से पूर्व गांव/बस्ती के मुखिया के सहयोग से कार्य आयोजन करवाना।
5. गणतंत्र दिवस परेड की तैयारी हेतु शिविर का आयोजन करने के लिए निदेशालय/ राज्य सम्पर्क अधिकारी एवं सहायक कार्यक्रम सलाहकार के निर्देशानुसार तैयारी करना।
6. इसी माह घरेलु कुटीर उद्योगों के संबंध में आवश्यकतानुसार 5 से 10 दिवस के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करें। राजस्थान आजीविका मिशन द्वारा भी लघु अवधि के दक्षता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।
7. काम का अधिकार (महानरेगा) ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम की जानकारी स्वयं सेवकों को उपलब्ध करावें।

नवम्बर– 20 घंटे कार्य

1. 19–25 नवम्बर कौमी एकता सप्ताह के रूप में मनाना। इस सप्ताह में विभिन्न दिवसों पर निम्न कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।
   1. 19 नवम्बर राष्ट्रीय एकता दिवस, विचार गोष्ठी, सम्मेलन आदि आयोजित करने चाहिए तथा राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण कराई जावे।
   2. 20 नवम्बर को अल्पसंख्यक कल्याण दिवस के रूप में मनाना। जन जागरण अभियान के तहत कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी।
   3. 21–22 नवम्बर को कमजोर वर्ग दिवस के रूप में मनाना।
   4. 23 नवम्बर को सांस्कृतिक एकता दिवस पर सांस्कृतिक एकता को प्रोत्साहित एवं उन्नत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करना।
   5. 24 नवम्बर को महिला शिक्षा, महिला स्वास्थ्य एवं रोजगार आदि से सम्बन्धित कार्यक्रम हाथ में लेना।

6. महिला सशक्तिकरण से संबंधित विषयों पर रैलियां, विचार गोष्ठी, सभाएं व्याख्यान आदि कार्यक्रम आयोजित करें।
7. 25 नवम्बर को पर्यावरण संरक्षण दिवस पर वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण पर कार्यक्रम करें।

2. स्वयं सेवकों को स्वरोजगार से संबंधित प्रशिक्षण दिया जावे। कैप्सूल कोर्सेज शुरू करावें तथा स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण देकर प्रमाण पत्र दें।
3. स्थानीय एजेन्सीज/एनजीओ/उद्योगों से सम्पर्क कर साक्षात्कार आयोजित करावे।
4. तीसरा एक दिवसीय शिविर लगाये जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करें।
5. **विवाह/पार्टियों/मीटिंग्स में खाद्य सामग्री के दुरूपयोग पर प्रभावी रोक हेतु जागरूकता बढ़ाये।**

<u>दिसम्बर– 20 घंटे कार्य</u>

1. 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस पर एड्स की रोकथाम, एडस के बचाव आदि पर जन जागरण हेतु विचार–विमर्श, फिल्म शो, रैली, नुक्कड़ नाटक आदि के द्वारा महाविद्यालयों / गोद ली गई बस्तियों/ गांवों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जा सकते हैं । इस दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता भी आयोजित की जावे।
2. 10 दिसम्बर को मानवाधिकार दिवस पर व्याख्यान, निबन्ध प्रतियोगिता, विचार गोष्ठी, रैली आदि आयोजित करना।
3. दिसम्बर माह में छात्रों के लिए स्थानीय उद्योगों से सम्पर्क कर चयन हेतु कैम्पस इन्टरव्यू आयोजित किये जावे। रोजगार मेले आयोजित करें।
4. स्वरोजगार के संबंध में की गई प्रगति से अवगत करावें।

<u>जनवरी एवं फरवरी– 10 घंटे कार्य</u>

1. त्रैमासिक प्रतिवेदन भेजना (अक्टूबर से दिसम्बर तक) 7 जनवरी तक भेजें।
2. राष्ट्रीय युवा सप्ताह **<u>12 से 19 जनवरी</u>** के मध्य मनाना
3. 12 जनवरी को विवेकानन्द जयंती पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जावे। स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन व दर्शन पर व्याख्यान व विचार गोष्ठी एवं भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जावे।
4. स्वामी विवेकानन्द एवं युवा विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन अवश्य करें।
5. महापुरूषों के दर्शन एवं विचार पर निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करना।
6. 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेना।
7. 30 जनवरी शहीद दिवस मनाना।
8. जिन स्वयं सेवकों द्वारा 240 /120 घंटे के कार्य नहीं किये गये हैं, उनके लिये इस अवधि में शेष वांछित घंटों का कार्य करना

<u>मार्च/अप्रेल/परीक्षा काल</u>

1. 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम आयोजित करना–
   1. महिला स्वास्थ्य एवं शिक्षा
   2. महिलाओं की राष्ट्रीय विकास में भूमिका
   3. महिला सशक्तिकरण
   4. पंचायती राज एवं महिला
   5. स्वास्थ्य शिक्षा एवं महिला
   6. महिला एवं सामाजिक कुरीतियों का निवारण
   7. कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्व जन जागरण अभियान
2. पंचायती राज व्यवस्था एवं युवा आदि पर रैलियां, विचार गोष्ठी आदि आयोजित करना।
3. अगले सत्र के लिए गोद लिये जाने वाले गांव / बस्तियों की पहचान
4. साक्षरता अभियान के लिये स्वयं सेवकों को तैयार करना, ताकि वार्षिक परीक्षाओं की समाप्ति पर इस अभियान में भाग ले सकें। इसके लिये जिला साक्षरता समिति के साथ समन्वय कर कार्य किया जा सके।
5. इकाई स्तर पर पूर्ण साक्षरता की रिपोर्ट तैयार कर कार्यक्रम समन्वयक को भेजी जावे।
6. इकाई स्तर पर सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जावे, जिससे वर्ष भर में की गई गतिविधियों की समीक्षा की जावे तथा ग्रीष्मावकाश में व्यक्तित्व विकास से संबंधित गतिविधियां आयोजित करने की योजना बनानी चाहिए।
7. उपलब्धियों के अपेक्षित स्तर का मासिक प्रतिवेदन अवश्य भेजना।
8. स्वरोजगार के संबंध में की गई प्रगति से अवगत करावे।

9. अप्रेल माह में लेखा विवरण, त्रैमासिक रिपोर्ट (जनवरी से मार्च तथा छःमाही प्रतिवेदन अक्टूबर से मार्च तक) एवं अन्य विवरण तैयार कर आवश्यक रूप से कार्यक्रम समन्वयक को 20 अप्रेल तक भेज दें।
10. योग्य स्वयं सेवकों के प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में तैयार करवाकर, प्रति हस्ताक्षर हेतु समन्वयक, निदेशालय, कालेज शिक्षा को भेजें, ताकि इन प्रमाण पत्रों को प्रवेश के समय, रोजगार आदि के लिए जहां भी आवश्यक हो, उपयोग किया जा सके। निर्धारित प्रारूप में ही प्रमाण पत्र तैयार करायें तथा सभी प्रविष्टियां पूर्ण करके प्राचार्य के हस्ताक्षर करवाकर ही प्रति हस्ताक्षर हेतु एक साथ भेजें।
11. राष्ट्रीय एकता शिविर, साहसिक कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर, प्रंस्ताव तैयार करने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रादेशिक केन्द्र से प्रस्ताव फार्म एवं मार्ग दर्शन प्राप्त करें।

उपलब्धियों के अपेक्षित स्तर का मासिक प्रतिवेदन अवश्य भेजना।

मई एवं जून– 10 घंटे कार्य (ग्रीष्मावकाश)

1. वार्षिक परीक्षा की समाप्ति पर साक्षरता अभियान चालू रखना
2. शुद्ध जल एवं जल संरक्षण हेतु युवाओं को जोड़े
3. साक्षरता अभियान पर प्रगति प्रतिवेदन तैयार कर त्रैमासिक आधार पर कार्यक्रम समन्वयक को भेजना।
4. 21 मई को आतंकवाद विरोध दिवस मनाया जावे।
5. 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जावे।
6. 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर विचार गोष्ठी, रैलियां आयोजित करना। कृषि विभाग, वन विभाग आदि के सहयोग से ये कार्यक्रम आयोजित किये जावें।
7. ग्रीष्मावकाश में जल संग्रहण एवं प्रबन्ध पर कार्यक्रम एवं यात्राओं के अनुसार कार्यक्रमों का आयोजन।
8. अकाल राहत कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता
9. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना का मूल्याकंन
10 कुष्ठ रोग का उन्मूलन एवं विस्थापित कुष्ठ रोगियों को पुनः जीवन धारा में लाने के प्रयास किये जावे

<u>नोटः–</u> **नियमित गतिविधियां, विशेष शिविर एवं अन्य विशेष कार्यक्रमों के दौरान निम्नलिखित को भी प्राथमिकता से जोड़ा जावेः–**

1. योग/आसन/प्राणायाम से कार्यक्रम शुरू करें।
2. वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण
3. परिसर विकास– स्वच्छ एवं हरा भरा परिसर
4. महानरेगा की जानकारी एवं युवाओं की भूमिका
5. जनसंख्या शिक्षा एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम पर जन जागृति।
6. जल संरक्षण एवं संवर्द्धन पर जन जागरण अभियान
7. कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्व जन जागरण
8. शिक्षा का अधिकार
9. यातायात सुरक्षा के नियमों की जानकारी

विशेष शिविरों का आयोजन–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा 7 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन आवश्यक रूप से किया जाना चाहिए। जिन इकाइयों द्वारा विशेष शिविर आयोजित नहीं किया जावेगा, उनके कार्यक्रम अधिकारियों को पॉकेट अलाउंस देय नहीं होगा।

विशेष शिविर के आयोजन के संबंध में निम्न निर्देशों की पालना की जावे।

1. विशेष शिविर गोद गांव/बस्ती में ही आवासीय एवं सात दिन के लिए लगाये जावे।
2. विशेष शिविरों को मुख्य थीम **आवश्यकतानुसार (किसी एक विषय पर)**

    1. पर्यावरण, प्राकृतिक सम्पदा और सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण
    2. स्वास्थ्य जनस्वच्छता(public sanitation) और व्यक्तिगत स्वच्छता (personal hygiene)
    3. ग्रामीण विकास परियोजनाओं का चिन्हिकरण, योजना निर्माण, कियान्वयन एवं मूल्यांकन
    4. शिक्षा एवं साक्षरता के साथ कानूनी जागरूकता
    5. आपातकालीन सेवाओं में प्राथमिक उपचार एवं सलाह और आंकडे तैयार करना

3. विशेष शिविर दीपावली/शीतकालीन अवकाशों को समायोजित करते हुए ही लगायें। केवल कार्यदिवसों में लगाये गये शिविर मान्य नहीं होंगें।

4. शैक्षणिक सत्र 2013–14 में अवकाश (प्रवेश नीति अनुसार) निम्न प्रकार रहेंगे:–
   1. दशहरा अवकाश– 12 अक्टूबर 2013 से 14 अक्टूबर 2013 तक
   2. दीपावली अवकाश– 1 नवम्बर 2013 से 10 नवम्बर 2013 तक
   3 .शीतकालीन अवकाश– 25 दिसम्बर 2013 से 31 दिसम्बर 2013 तक
5. विशेष शिविरों में प्रति इकाई 50–60 स्वयं सेवक रखने चाहिए। इनसे ज्यादा नहीं, क्योंकि भारत सरकार द्वारा केवल 50 स्वयं सेवकों का ही अनुदान दिया जाता है।
6. विशेष शिविर 31 जनवरी, 2014 तक आवश्यक रूप से लगाये। तत्पश्चात अनुमति नहीं दी जायेगी ।
7. विशेष शिविरों के व्यापक निरीक्षण की योजना बनायी गई है। अतः शिविर का निरीक्षण अवश्य करायें। इसके लिए तिथियों एवं स्थान की सूचना अग्रिम पतों पर अवश्य दें।
8. विशेष शिविर कार्यक्रमों में आर्ट ऑफ लीविंग की गतिविधियों को भी सम्मिलित करें।
9. विशेष शिविरों में युवा स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर व्याख्यान/प्रश्नोत्तरी / प्रतियोगिताएं आदि कार्यक्रम अवश्य आयोजित करें।
10. आधारभूत नवाचार सशक्तिकरण नेटवर्क (उत्तर) जयपुर से दूरभाष संख्या 0141–2304161/9314904161 एवं वेबसाईट से सम्पर्क कर इस संस्था के कार्यक्रमों को शामिल किया जावे।

अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय दिवस

क्र.सं.	दिवस	तिथि
1	राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
2	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी
3	शहीद दिवस	30 जनवरी
4	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
5	विश्व स्वास्थ दिवस	7 अप्रेल
6	आतंकवाद विरोधी दिवस	21 मई
7	विश्व तम्बाकू दिवस	31 मई
8	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
9	विश्व जनसंख्या दिवस	11 जुलाई
10	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त
11	राजीव गांधी अक्षय उर्जा दिवस /सद्भावना दिवस/शिक्षा अधिकार दिवस	20 अगस्त
12	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	8 सितम्बर
13	अन्तर्राष्ट्रीय शांति दिवस	15 सितम्बर
14	राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस	24 सितम्बर
15	राष्ट्रीय रक्तदानदिवस	1 अक्टूबर
16	अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस	2 अक्टूबर
17	**Global Iodine Defeciency Disorder Prevention Day**	**21 अक्टूबर**
18	राष्ट्रीय एकता दिवस	19 नवम्बर
19	विश्व एड्स दिवस	1 दिसम्बर
20	विश्व मानवाधिकार दिवस	10 दिसम्बर

सप्ताह

1.	वन महोत्सव	1–7 जुलाई
2.	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह	8–14 जुलाई
3.	कौमी एकता सप्ताह	19–25 नवम्बर
4.	राष्ट्रीय युवा सप्ताह	12–19 जनवरी

महत्वपूर्ण पतेः–

	पता	दूरभाष एवं फैक्स
1.	सहायक कार्यक्रम सलाहकार, राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रादेशिक केन्द्र एसबी–12, भवानी सिंह रोड़, दुर्लभजी अस्पताल के सामने, जयपुर	2701035
2.	राज्य सम्पर्क अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, शिक्षा (ग्रुप–4अ) विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर।	
3.	राज्य समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, निदेशालय कालेज शिक्षा शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर।	2706550
4.	समन्वयक प्रशिक्षण (राष्ट्रीय सेवा योजना), एच.सी.एम., राजस्थान राज्य लोक प्रशिक्षण संस्थान,, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर ।	